

संख्या 2002/जीने 1/04 2008(पी.एच.डी.) 01

प्रेषक,

डी० के० पन्त,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

प्रमारी मुख्य अभियन्ता, रस्तर-1
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 28 सितम्बर 2004

विषय: राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुस्थापन एवं एजेन्सी चार्जिंग मद में वित्तीय वर्ष
2004-05 में वित्तिय आकलन के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आधिकारिक पत्र संख्या 896/03 वक्र (2004/03-10) 2004-2005 दिनांक 28 जून 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के अनुस्थापन एवं एजेन्सी चार्जिंग मद में वित्तिय आकलन भारतीय राजमार्गों के निर्माण एवं अनुस्थापन कार्य के लेखन समय में किये गये विभिन्न बिल, विद्युत बिल, फैंक्स चार्जिंग, माडिग की सम्बन्धित गैटो/लीजल आदि में खरीद, सर्वेक्षण व्यय, आयामों को तैयार करने आदि पर होने वाला व्यय आदि का भुगतान हेतु भारत सरकार के वार्षिक आकलन रु० 148.02 लाख की अनुमानित रूप में अर्थात् कुल रूपये 148.02 लाख (रु० एक करोड़ अड़तालीस लाख की मात्र) के वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय व्यय में संयत मद में प्राधिकृत रु० 500.00 लाख की वित्तिय में से व्यय की श्री राज्यपाल महोदय सचिव को प्रदान करते हैं ।

2. एजेन्सी चार्जिंग मद में जिन मदों के लिये वित्तिय स्वीकृति की जा रही है, उन मदों में अधिष्ठान के क्वॉट से कोई वित्तिय एनएच के सम्बन्धित व्यय का वित्तीय कार्यालय को स्वीकृत नहीं की जायेगी ।

3. व्यय उसी कार्य पर किया जाय, जिसके लिये वह वित्तिय स्वीकृति की जा रही है ।

4. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में क्वॉट मैन्सज, वित्तीय अनुमति, नियम तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य शास्य प्राधिकार की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति आवश्यक प्रदान कर ली जाय ।

5. स्वीकृत की जा रही वित्तिय की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का मन्दिर विवरण शासन/भारत सरकार को प्राधिकृत के आधार पर उपलब्ध करवा जायेगा ।

6. धनराशि का व्यय करने में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण हेतु जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा और उक्त धनराशि के विपरीत भारत सरकार से अविलम्ब आवश्यक धनराशि की प्रतिपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी ।
7. निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आमगणन पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आमगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।
8. उक्त शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।
9. इस सम्बन्ध में होने वाले वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-22 के लेखाशीर्षक-3054 सड़क तथा सेतु-01राष्ट्रीय राजमार्ग-आयोजनेत्तर-337 सड़क निर्माण कार्य-03 एजेन्सी चार्ज-00-29 अनुरक्षण के नामे में रु० 13.32 लाख एवं 04- राज्य सड़क निधि के अन्तर्गत सड़कों का अनुरक्षण-00-29 अनुरक्षण के अन्तर्गत रु० 134.70 लाख की धनराशि को खर्चा जायेगा ।
10. यह आदेश वित्त अनुभाग-3 के अ०शा० संख्या 943/ वित्त अनुभाग-3/2004 दिनांक 8-9-2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

मन्दीय

(ली० ८१० मन्दी)
संसुक्त सचिव

संख्या 2002-1/लोनि-1/04 तददिनांक ।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित
1. महालेखाकार(लेखा प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून ।
 2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमाऊ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल ।
 3. सम्बन्धित जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
 4. अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन ।
 5. निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल, देहरादून ।
 6. वित्त अनुभाग-3 उत्तरांचल शासन ।
 7. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(ली० ८१० मन्दी)
संसुक्त सचिव